



राष्ट्रीय नवीन मेल

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • वैशाख शुक्ल पक्ष 06 • विक्रम संवत् 2080 • बुधवार, 26 अप्रैल 2023 • वर्ष-29 • अंक-190 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00



जीवन रक्षा को मिली उड़ान

झारखण्ड की जनता के लिए पहली बार

एयर एम्बुलेंस सेवा



सेवा का शुभारंभ - 28 अप्रैल 2023

नगर विमानन प्रभाग से संपर्क करें

+91 82105 94073

0651-4665515

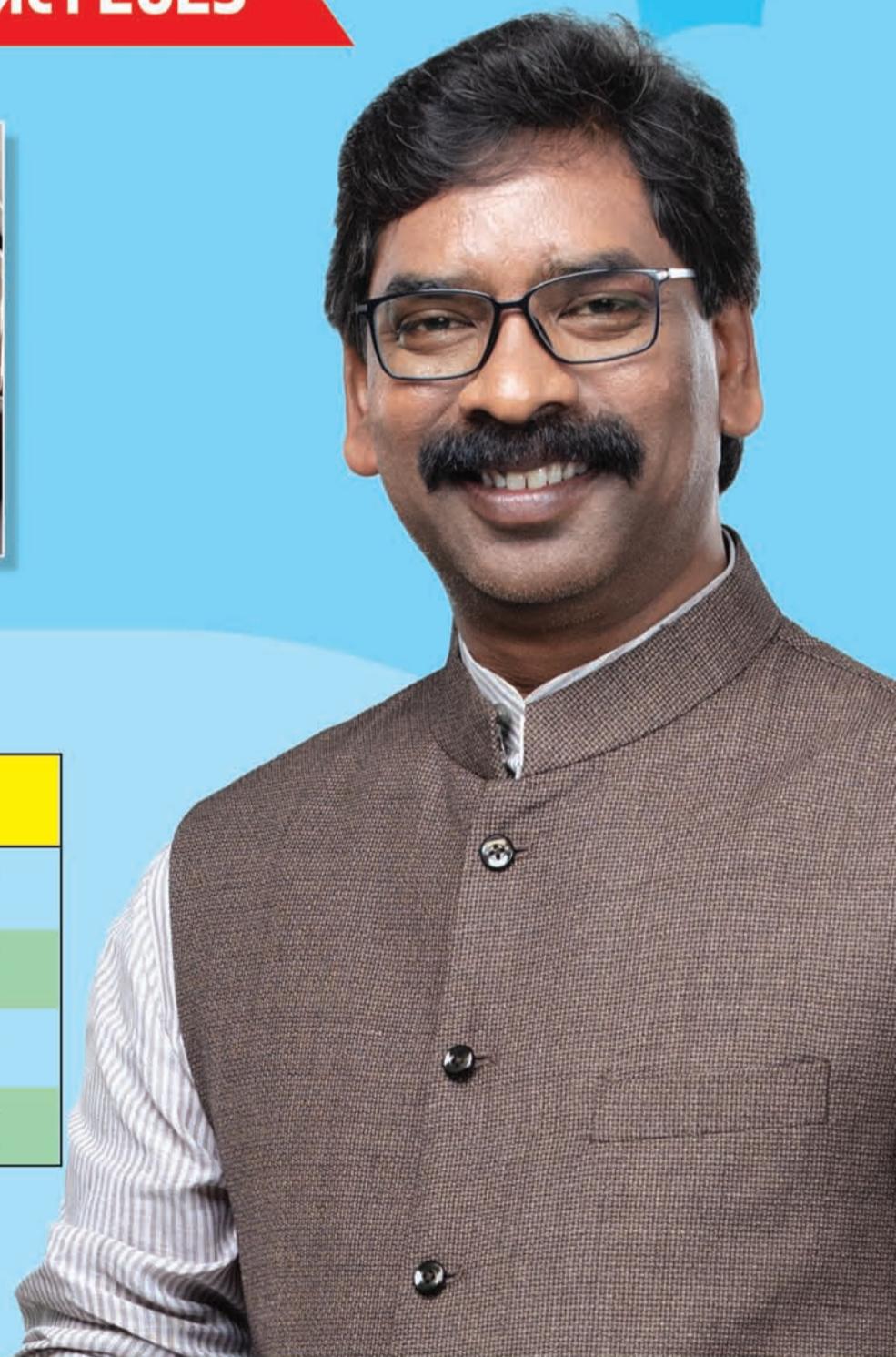
airambulance.cad@gmail.com



सेवा हेतु प्रमुख मार्गों पर दरें -

सेक्टर	दर	सेक्टर	दर
रांची - नई दिल्ली	₹5.00 लाख	रांची - हैदराबाद	₹7.00 लाख
रांची - मुम्बई	₹7.00 लाख	रांची - वाराणसी	₹3.30 लाख
रांची - चेन्नई	₹8.00 लाख	रांची - लखनऊ	₹5.00 लाख
रांची - कोलकाता	₹3.00 लाख	रांची - तिरुपति	₹8.00 लाख

उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य मार्गों पर परिचालन हेतु यह सेवा ₹1,10,000 /- मात्र प्रतिघंटे की दर पर उपलब्ध होगी, यथा - रांची - चंडीगढ़, रांची - पटना आदि



रांची तथा

देवघर	दुमका
बोकारो	धनबाद
जमशेदपुर	गिरिधीर
एयरपोर्ट पर भी एयर एम्बुलेंस सेवा होगी उपलब्ध	

अधिकतम दो घंटे में

एयर एम्बुलेंस उड़ान हेतु होगा तैयार। आपातकालीन उपकरणों सहित चिकित्सक के साथ सेवा होगी उपलब्ध

फ्लाइट रीटायर्ड्यूल

करने का भी विकल्प, बशर्ते प्रस्तावित रीटायर्ड्यूल में किसी अन्य आवेदक का प्रोग्राम प्रभावित न हो रहा हो

पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण

एयर एम्बुलेंस सेवा। एयर एम्बुलेंस सेल की सेवा 24x7 घंटे होगी उपलब्ध



राष्ट्रीय नवीन मेल

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com ● डालटनगंज ● पैशाख शुक्ल पक्ष 06 ● विक्रम संवत् 2080 ● बुधवार, 26 अप्रैल 2023 ● वर्ष-29 ● अंक-190 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 2.00

मंत्री के अक्षील वीडियो में दिख रही महिला ने कहा

मैं तो कभी बन्ना गुप्ता से मिली तक नहीं, जानती भी नहीं

नवीन मेल संवाददाता। रांची झारखण्ड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के कथित वायरल अक्षील वीडियो में नजर आ रही महिला सामने आई है। महिला ने इस पूरे प्रकरण को सांविष्ण करार दिया है। महिला का कहना है कि वह मंत्री बन्ना गुप्ता को व्यक्तित तौर पर नहीं जानती और ना ही कभी उनसे मिली है। महिला ने पूरे प्रकरण की गहन जांच कर देखियों के विशुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महिला ने 58 सेकेंड महिला की वीडियो जारी है। इस वीडियो में एन-एस्यूआई की एक महिला लीडर ने भी प्रेस काफ़ेरेस कर आरोप लगाया है कि जो वीडियो चैटिंग सोशल मीडिया में एक व्यक्तियों वायरल हुआ जिसमें कथित तौर पर मंत्री बन्ना गुप्ता एक महिला के साथ

झारखण्ड मिनिस्टर के वायरल वीडियो पर सियासी उबाल

महिला बोली-मेरी फोटो और वीडियो का हुआ भिस्यूज

नवीन मेल संवाददाता। रांची

हेल्थ मिनिस्टर बन्ना गुप्ता और एक महिला के बीच आपत्तिजनक वीडियो चैटिंग के अंश वायरल होने के बाद महिला के बीच आपत्तिजनक वीडियो चैटिंग के पैटर्न कर्फ़री तरीके से इस्तेमाल किया गया है। रांची में एन-एस्यूआई की एक महिला लीडर ने भी प्रेस काफ़ेरेस कर आरोप लगाया है कि ►शेष पृष्ठ 11 पर



वीडियो वायरल हुआ जिसमें कथित तौर

पर मंत्री बन्ना गुप्ता एक महिला के साथ



महिला ने 58 सेकेंड के इस वीडियो में

अपत्तिजनक हालत में दिख रहे हैं। महिला ने 58 सेकेंड के इस वीडियो में

रांची विधायक सीपी सिंह को हनीट्रैप में फँसाने की साजिश

नवीन मेल संवाददाता। रांची गंभीर के भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री सीपी सिंह को हनीट्रैप में फँसाने की कोशिश की गयी है। सीपी सिंह ने एक



की कोशिश की गयी। वह

फँस रात के 1:15 बजे आया जब वह सोने गये और फोन की घंटी बजी और उन्होंने फोन उठाया तो उधर से किसी महिला के द्वारा जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 24

अश्वील बातें सुनाई दी। उन्होंने बताया

कि महिला विकुल आपत्तिजनक

स्थिति में थी। उन्होंने फोन काटने की

कोशिश की लेकिन जब फोन हानी कटा

तो उन्होंने स्विच ►शेष पृष्ठ 11 पर

भारत में इस प्रकार के वीडियो कॉल्स

हो सकते हैं हनीट्रैप के शिकाय

स्पेशल डेस्क। रांची

(हनीट्रैप के लिए) अभी हाल ही में

शुरू हुए हैं। जीते साल जुलाई माह में

इस किस्म के कॉल्स की बाढ़ आ गई

थी। ये दरअसल फँसाने का माध्यम है,

हनीट्रैप है। दिल्ली पुलिस के एक

जिम्मेदारी ने बताया कि झारखण्ड में यह

बेशक अभी हाल के दिनों में शुरूहुआ

हो पर दिल्ली-एनसीआर में इस तरह के

मालूले कर्फ़ा साल से देखने में आ रहे हैं।

इसमें होता यह है कि कोई महिला

आपको फोन ►शेष पृष्ठ 11 पर

वीडियो वायरल कॉल में, मैं अपने पति

के साथ चैट कर ►शेष पृष्ठ 11 पर

सिमडेंगा : हथियार सहित घार

पीएलएफआई उग्रवादी गिरफतार



से हथियार, पर्चा, मोबाइल बरामद किए गए

इस मामले में मुफसिल थाना में मामला दर्ज

किया गया है। गिरफतार उग्रवादियों

में एक लोगों ने गढ़े तक जाय रहा।

बाहुबली आनंद मोहन की रिहाई का आदेश जारी

एजेंसी। पटना

डीएम जी कृष्णया हत्याकांड में

आजीवन कार्रवास की सजा काट

रहा बाहुबली नेता व पूर्व संसद

आनंद मोहन सरकार ने

रिहाई के आदेश दे दिया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

उग्रवादी को आदेश दिया गया है।

सोमवार की दो दिनों तक

बहुमत से हुआ स्वास्थ्य सहिया का चयन

नवीन मेल संवाददाता। रसना सिलिंद्र युखिया अनीता देवी ने बताया कि मंगलवार को वंशीधर नगर अनुमंडल से मनीनीत स्वास्थ्य सहिया पदाधिकारी दिनेश कुमार मीणा सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी हुल्हला कला, विपेश राज तमांग लिपिक ट्रामा सेंटर नगर उंटरी, अशफाक एमपीडब्ल्यू अनुमंडलीय अस्पताल नगर उंटरी, सजल कुमार यादव कारंसलर अनुमंडलीय अस्पताल नगर उंटरी, सुनीता कुमारी नगर उंटरी, कल्पना कुमारी सिहा स्वास्थ्य उप केंद्र मंडवाइयां, अमित कुमार नगर उंटरी, काति देवी, जिंकी देवी सहिया और उनकी अध्यक्षता में चयनित जनप्रतिनिधि और



ग्रामीणों की उपरिस्थिति में दो स्वास्थ्य सहिया का चयन किया गया।

स्वास्थ्य सहिया चयन के लिए कुल 6 उम्मीदवारों ने आवेदन किए।

सभा में उपरिस्थित ग्रामीणों द्वारा बहुमत से चयन किया गया। इसमें मंजु देवी, पति- शिव कुमार साह को 110 मत प्राप्त हुए। कंचन देवी पति ललन राम देवा गड़ई को 91 मत प्राप्त हुए।

स्वास्थ्य सहिया का चयन देवी को लिए 6 आवेदकों के लिए

स्वास्थ्य देवी पति ब्रजेश कुमार राम को 39 मत प्राप्त हुए तथा बसंती देवी पति उमेश राम को 29 मत प्राप्त हुए।

शेष दो प्रत्याशी तिजोरीमा देवी पति उपेंद्र राम एवं सोनी देवी पति घंटेंद्र कुमार उत्तरोंने के कंचन देवी को अपना सहयोग करा। इस अवसर पर उप-मुखिया सुनीता देवी, वार्ड-सरकार प्रतीप कुमार, विनय ठाकुर, शैलेन सिंह, दोपक पाणी, उदय मेहता, पूमा देवी, हीरा प्रसाद विश्वकर्मा, बासु देव चौधरी, कर्म देव बैठा, नागिन सिंह, प्रदीप सिंह, लाला सिंह, मुख्तेल ठाकुर, महेश्वर मेहता, एवं कापी संख्या में ग्राम के महिला एवं पुरुष सम्पत्ति लित थे।

वार्ड-वार्ड को समझा बुझा कर बैठक का ताला खुलवाया।

महिलाओं ने एसबीआई के गेट पर जड़ा ताला



बैंक के मेन गेट में ताला लगा दिया। लगभग एक घंटा तक गेट में ताला बंद रहा। इस इमामले को लेकर बैंक मैनेजर गणपतराम ने बताया कि बताया कि मानवीय भूल के चलते दूसरे के खते में यह राशि चारी गई है। जिसके खते में यह राशि गई है उससे फैल से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उसका मोबाइल बंद है। उस व्यक्ति पर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए राशि वापस कराने का प्रयास करते हैं। इसी दोस्रा सोहबरिया गांव निवासी रामजीत सिंह ने भी बैंक के बाबत राशि वापस नहीं कराई गई है। इससे नाराज होकर सोहबरिया गांव के कर्मचारियों पर गत तरोंके से महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पूर्व-दर्शकिण दिल्ली के किसी दूरवारे के खते में उत्तर राशि जमा हो गई है।

हम लोगों ने जब अपनी पावती रसीद देवी तो खाता संख्या के अंतिम अंक 16 को जगह पर ऑवर राइटिंग कर दिया।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के

बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

हम लोगों ने जब अपनी पावती रसीद देवी तो खाता संख्या के अंतिम अंक 16 को जगह पर ऑवर राइटिंग कर दिया।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेजर को दी गई।

लेकिन लगभग 1 माह बीत जाने के बाद बैंक मैनेजर को समझू की

महिलाओं ने लिखित आवेदन दिया कि 1 सप्ताह के अंदर हम लोगों का

पैसा वापस कराया जाए लिखित आवेदन इसकी शिकायत 27 मार्च 2023 को बैंक मैनेज

भारत-लैटिन अमेरिका व्यापार 50 अरब डॉलर का : जयशंकर



एंजेसी। नई दिल्ली विदेश मंत्री एस. जयशंकर उत्तर और दक्षिण अमेरिका के चार

देशों के दौरे पर हैं। उन्होंने अरब डॉलर का है। उन्होंने कहा कि भारत-लैटिन अमेरिका का अनुमानित व्यापार 50

अरब डॉलर का है। उन्होंने सोमवार को पनामा में भारत-लैटिन अमेरिका बाजार का है।

डाकखानों की स्कीम पर ज्यादा व्याज



एंजेसी। नई दिल्ली सरकार ने इसी महीने पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंस सर्टिफिकेट्स स्कीम पर मिलने वाले व्याज में बढ़ावीरी की है। आप टैक्स बचाने के साथ अपने निवेश पर फिस्ट डिपोजिट यानी एफडी से ज्यादा रिटर्न चाहते हैं तो इस स्कीम में पैसा लगा सकते हैं। इस

अगर आप अपना निवेश के सेवनम 80% के तहत उस पर एप टैक्स छूट करते हैं तो आपको 5 साल का इंतजार करना होगा। इसमें 5 साल का लॉक इन पीरियड रखा गया है। यानी आप अपना पैसा 5 साल से पहले नहीं निकाल सकते। अगर आप मैच्योरिटी पीरियड के दौरान बीच-बीच में इस पर मिलने वाला व्याज विडॉल करना चाहते हैं तो, इस स्कीम में निवेश करने पर आप एसा नहीं कर सकते। इसमें 5 साल का लॉक इन पीरियड रहता है यानी आप 60 महीनों तक पैसा नहीं निकाल सकते। इसलिए एक अलावा 18 साल की उम्र का व्यक्ति खुद या मानवर स्कीम में अपको न्यूनतम 1000 रुपए निवेश करना होगा। आप एनएसी में किनी भी रकम निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है। एनएसी का लॉक इन पीरियड 5 साल का है। नेशनल सेविंस सर्टिफिकेट में आप जो भी पैसा

को 3 वर्षोंके के नाम पर संयुक्त खाता भी खोला जा सकता है।

दुबई में रिकॉर्ड 278 करोड़ में बिका रेत का प्लॉट



एंजेसी। दुबई

दुबई के जुमाया बे द्वीप में 24,500 स्क्वायर फीट का प्लॉट रिकॉर्ड 125 मिलियन दिरहम यानी करीब 278 करोड़ रुपए में बिका है। दुबईवर के अनुसार, जिस व्यक्ति ने इस प्लॉट को खरीदा है वो दुबई का मूल निवासी नहीं है। वो इस प्रॉपर्टी में फैमिली वेकेशन के लिए घर बनाना चाहता है। ब्रोकरेज फर्म नाइट फ्रैंक के हेड प्रैस्यूल कमिंग ने कहा कि 'अभी तक महंगी प्रॉपर्टी बिकने के लिए जो न्यूज आती थी उसके शानदार विलाया या लक्वरी पैटर्न्स होते थे। ऐसा पहली बार है जब एक खाली प्लॉट को ब्रैकिंग प्राइस में बिका है।' दुबई में टैक्स और क्राइम कम है कि इस जमीन को बेचने वाले

व्यक्ति ने 2 साल पहले ही 36.5 मिलियन दिरहम (करीब 81.43 करोड़ रुपए) में इसे खरीदा था। अब उन्हें 88.5 मिलियन दिरहम यानी करीब 197 करोड़ रुपए के फायदे के साथ इसे बेचा है। इस जमीन को बेचने वाले यूके बेस्ट फैशन रिटेल प्रिटीलिट थिंग के 35 साल के फाउंडर हैं। दुबई में टैक्स और क्राइम कम है, जिसके कारण दुनियाभर के

अमेरिका लोग वहां अचल संपत्ति खरीद रहे हैं। इसके कारण वहां की प्रॉपर्टी के दाम तेजी से बढ़े हैं। साथ ही, तेजी की बढ़ती कीमतें भी दुबई में प्रॉपर्टी की कीमतों में बढ़ती हो रही हैं। कारण है कि एक लोग वहां अचल संपत्ति खरीद रहे हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में आई तेजी

एंजेसी। नई दिल्ली

आज यानी मंगलवार (25 अप्रैल) को सोरामा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलिनिंग एंड जैलर्स एसोसिएशन की बेबासइट के मुताबिक, अजय सामाजिक बाजार में 24 कैरेट सोने का दाम 287 रुपए बढ़कर 60,368 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं 22 अप्रैल और डोमिनिकन गणराज्य (27-29 अप्रैल) में रुकने का भी कार्यक्रम है।

74,390 रुपए पर थी। केडिया एडवाइजरी के भारतेकर अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंच सकता है। लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है। शेरर बाजार में जारी उत्तर-चंदाव के कारण सोने के सोपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। अजय केडिया का अनुमान है कि इस साल चांदी 90 हजार रु. किलो तक जा सकती है।

शेयर बाजार में तेजी

एंजेसी। मुंबई

म्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार में आज मंगलवार 25 अप्रैल को मापांनी बढ़ते देखने को मिली। सेंसेस 74.61 अंक या 0.12% बढ़कर 60,130 के स्तर पर बंद हुआ। निपटी भी 25.85 अंक या 0.15% चढ़ा। ये 17,769.25 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेस के 30 शेयरों में से 18 में तेजी और 12 में प्रियांक रेटी ट्रेस और क्राइम कम है, जिसके कारण दुनियाभर के

आज लॉन्च होगी 'वीवो X90 सीरीज'

एंजेसी। चाहीनी टेक कंपनी वीवो के कल (26 अप्रैल) को वीवो X90 सीरीज के दो स्मार्टफोन के सेविकेशन के बारे में खोला जा सकता है। अगर बच्चा 10 साल से कम उम्र का है तो उसके नाम पर माता-पिता की ओर से खोला जा सकता है। 10 साल की उम्र में बच्चा अपना अकाउंट खोला जा सकता है। अगर बच्चा 5 साल से पहले नहीं निकाल सकते। इसके बारे में बीच-बीच में इस पर मिलने वाला व्याज विडॉल करना चाहते हैं तो, इस स्कीम में निवेश करने पर आप एसा नहीं कर सकते। इसमें 5 साल का लॉक इन पीरियड रहता है यानी आप 60 महीनों तक पैसा नहीं निकाल सकते। इसलिए एक अलावा 18 साल की उम्र का विलाया एवं संचालित कर सकता है, वहीं वर्षस्क होने पर उसे खाते की पूरी जिम्मेदारी ले जाती है। इसके अलावा एक 18 साल की उम्र का व्यक्ति खुद या मानवर स्कीम में निवेश कर सकता है। इसमें निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है।

झारखण्ड सरकार

ग्रामीण कार्य विभाग मुख्य अभियंता का कार्यालय

102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कवरी रोड, रॉची

ई-अल्पकालीन पुनर्निवाद संस्था:- 308/R/2023-24/RWD/GARHWA

दिनांक:- 25.04.2023
मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, झारखण्ड, रॉची द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से पैकेज के रूप में निवाद आमंत्रित की जाती है।

क्र० सं	आईटी कंफिनेंस संख्या /पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राकलित राशि (रुपए में)		कार्यालय की अवधि देवर की अवधि
			अंक में	अक्षर में	
1.	RWD/GARHWA/34/SRPKG-06/2022-23	(i) बादा से कोल्हुआ तक पर की विशेष मरम्मति कार्य (ले- 5.100 किमी)	8,77,21,538.00	आठ करोड़ सतहार लाख इकाईस हजार पाँच सौ तीन रुपए	15 माह द्वितीय
		(ii) मीठायांव से बदायांव होते हुए लायामांग प्राथमिक विद्यालय तक पर की विशेष मरम्मति कार्य (ले- 3.760 किमी)			
		(iii) खालीने से नें रोड से बगान धारा विशेष विद्यालय तक पर की विशेष मरम्मति कार्य (ले- 3.500 किमी)			

- वेसाईट में निवाद प्रक्रान्ति की तिथि:- 02.05.2023
- ई-निवाद प्रक्रान्ति की तिथि एवं समय:- 10.05.2023 अपराह्न 5.00 बजे तक।
- (क) मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, अभियंत्रण भवन, कवरी रोड, रॉची अथवा (ख) जिला निवाद कार्यालय में निवादा शुल्क एवं अध्यादेश निवाद की राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय- 11.05.2023 अपराह्न 3.30 बजे तक।
- निवादा शुल्क एवं अध्यादेश निवाद की राशि से भी मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, 102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कवरी रोड, रॉची अथवा जिला निवाद कार्यालय में निवादा शुल्क एवं अध्यादेश निवाद की राशि पर ही विवाद करायेगा।
- निवादा शुल्क एवं अध्यादेश निवाद की राशि से भी मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, 102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कवरी रोड, रॉची अथवा जिला निवाद कार्यालय में निवादा शुल्क एवं अध्यादेश निवाद की राशि पर ही विवाद करायेगा।
- निवादा शुल्क एवं अध्यादेश निवाद की राशि से भी मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, 102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कवरी रोड, रॉची अथवा जिला निवाद कार्यालय में निवादा शुल्क एवं अध्यादेश निवाद की राशि

नशा व कारोबारी

झारखण्ड में अफीम की खेती का कारोबार धड़ले से जारी है। इससे पलामू भी अछूता नहीं है। मनातू और तरहसी के इलाकों में आज भी इसकी खेती बदस्तूर जारी है। हालांकि नक्सल गतिविधियां कम होने से इसमें कमी जरूर आयी है। जाहिर सी बात है, यह सब बैग्र अपराधियों और राजनीतिज्ञों के पकड़ असंभव है। ऐसे में सबाल उठता है कि इन नशे के सौदागरों का असली मददगार कौन है? सुदूर ग्रामीण क्षेत्र जो जंगली हैं, वहां बड़े पैमाने पर इसकी खेती आज भी जारी है। उत्पादित कच्चे अफीम को लेकर तस्कर दिल्ली और पंजाब के कई शहरों में तक जाते हैं। हजारीबाग चतरा समेत कई जिलों की पुलिस लगातार ऐसे तस्करों को पकड़ती है, लेकिन यह बार-बार छूट जाते हैं। यही कारण है कि इनका नेटवर्क टूट नहीं रहा है। जितने बड़े क्षेत्र में इसकी खेती होती है, वहां से कच्चे माल को ठिकाने लगाने में तस्करों का बड़ा और संगठित गिरोह सक्रिय होकर आगे की कार्रवाई करता है। इस नेटवर्क को तोड़ने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में खेती करने वाले ऐसे तत्वों को हतोत्साहित करना होगा। इसके लिए सामाजिक जागरूकता की पहल करनी होगी। चंद पैसों के लिए नशे के सौदागरों के चंगुल में फंसने वाले ग्रामीणों को इसके दुष्प्रभाव के बारे में समझाना होगा। एनडीपीएस एक्ट में इसके लिए कठोर सजा के प्रावधान तय किये गये हैं। इसके शिकार सबसे निचले पायदान पर काम करने वाले तस्कर ही होते हैं। बड़ा सरगरना कानून से बचने में कामयाब हो जाता है। पुलिस और सक्षम एजेंसियों को इनके ठिकाने तक पहुंच कर कार्रवाई करनी होगी। हजारीबाग में पिछले दिनों तीन तस्करों को पकड़ा गया था। ये तस्कर तैयार अफीम को लेकर दिल्ली ले जाने वाले थे। पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर ली है। नशे के ये सौदागर पूरे राज्य में सक्रिय हैं। यह नक्सली और अपराधी की मदद से तस्करी करते हैं। हालांकि ग्रामीण इलाकों से नक्सलियों के पांव उखड़ रहे हैं। ऐसे में यह सही वक्त है जब इन अपराधियों को वहां से भगाया जा सकता है। इसके लिए समाज और कानून लागू करने वाली संस्थाओं को मिलकर करना होगा। कारण यह समाज के ऐसे दुश्मन हैं, जिनका खात्मा बहुत जरूरी है। इस नशे के कारोबार में करोड़ों का वारान्नारा होता है। इस काम को करने वाले लोगों के रसूख काफी बड़े होते हैं। अगर समय रहते उन बड़े लोगों तक पुलिस पहुंच जाती है तो छोटो अपराधी डर कर अपना हाथ पीछे कर लेगे। ऐसे में जरूरत है उन लोगों तक पहुंचने की, जो इन्हें मदद करते हैं। ऐसे भी कहा जाता है कि गलत काम करने वाले से ज्यादा अपराधी उसे शह देने वाला होता है। ऐसे लोग सफेदपोश होते हैं। उनके सर्ट सफेद होते हैं। लेकिन उन सफेद सर्ट पर कई काले धब्बे होते हैं। वैसे नशे के कारोबारी हर जगह होते हैं। नशे के आगोश में समाज को ढकेल कर यह हर उद्धृ सीधा करते रहते हैं। ऐसे में जरूरत है ऐसे लोगों को बेनकाब किया जाये। इस काम में पैसों की खातिर नक्सलियों का एक धड़ा इस काम में ऐसे कारोबारियों की मदद करता है। लेकिन हाल के दिनों में इनका जनाधार कमजोर हो रहा है। यह उचित समय है, इसका फायदा उठा कर नशे के कारोबारियों को दबोचा जा सकता है। यह काम उतना कठिन नहीं है। जैसा हमलोग सोचते हैं। सबसे पहले ग्रामीणों को अपने भरोसे में लेकर कार्रवाई करने की जरूरत है। इनके सभी ठिकाने समाने आ जायेंगे। बहराहाल नशा में मदद करने वाले सच पूछ जाये तो सबसे बड़े देशद्रोही हैं। ऐसी स्थिति में उन पर अंकुश लगाकर समाज में अच्छे संदेश दिये जा सकते हैं। आइये हम इस दिशा में आगे बढ़ें।

मेरी नहीं, श्री की इच्छा है ‘हिन्दवी स्वराज्य’

पुणे से 82 किलोमीटर दूर दक्षिण-पश्चिम दिशा में रोहिंडखारे की ओर तहसील में सद्यादि की सुरम्य वादियों के बीच समुद्र तल से लगभग 4694 फीट ऊँचाई पर घने जंगलों के बीच स्थित श्री रायरेश्वर गढ़ (किला) हिन्दवी स्वराज्य प्रतिज्ञा दिवस का साक्षी है। 26 अप्रैल, 1645 को वीर बालक शिवा ने यहाँ हिन्दवी स्वराज्य का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा था—यह मेरी नहीं, श्री की इच्छा है। यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं के बीच सांयं-सांयं करती हवा पर कान धरा जाय तो आज भी वीर बालक शिवा की प्रतिज्ञा की वह गूँज सुनी जा सकती है। इस प्रतिज्ञा ने धर्मद्वेषी मुगलिया सल्तनत को उखाड़ फेंका था। यहाँ वह प्राचीन शिवालय आज भी है, जहाँ शिवा ने अपने कुछ मित्रों के साथ ‘स्वराज्य’ की शपथ ली। यह वह दौर था जब मुगलिया सल्तनत के अत्याचारों के चलते हिन्दू आत्म विस्मृत हो चला था। उसके मन में यह विचार ही आना बंद हो गया था कि यह भारत भूमि उसकी अपनी है। वह यहाँ मुगलों की चाकरी क्यों कर रहे हैं? देश में गो-ब्राह्मण, स्त्रियां और धर्म सुरक्षित नहीं रह गया था। हिन्दू समाज को इस अंधकार से बाहर निकालने और उसके मन में एक बार फिर आत्मगौरव की भावना जगाने का संकल्प शिवाजी महाराज ने लिया था। कहा जा सकता है कि हिन्दवी स्वराज्य की संकल्पना का यहीं प्रथम उद्घोष था। यहाँ सद्यादि के रमणीय उतुंग शिखर पर महादेव विराजे हैं। नाना प्रकार के पुष्टों के पाथे एवं लताएं, यहाँ सघन बन का सौंदर्य बढ़ती हैं। विविध प्रकार के पक्षियों के कलरव से भी मन का आनंद बढ़ता है। सोच कर हैरान होती है कि एक किशोर अपने साथियों के साथ पुणे से इस दुर्गम पठार पर स्थित शिवालय में संकल्प के लिए अयंत्र होगा। उस समय शिवाजी 15-16 वर्ष के किशोर थे। उनके साथ बारह मावल प्रांतों से कान्होजी जेधे, बाजी पासलकर, तानार्जी मालुसरे, सूयार्जी मालुसरे, येसार्जी कंक, सूयार्जी काकडे, बापूर्जी मुदगल, नरसप्रभु गुणे, सोनेपंत डबीर भी थे। शिवाजी ने श्री रायरेश्वर महादेव के समक्ष इन सिंहसमान महापारकमी मावलों के मन को कुछ इस तरह झकझारा होगा—‘मुगलों की पराधीनता हमने कब तक सहेंगे? चंद जागीरों की खातिर हम कब तक धर्म पर घाता होने देंगे? गो-ब्राह्मण और स्त्रियों पर अत्याचार आखिर कितने दिन तक सहते रहेंगे? मैं अब यह सब नहीं सह सकता। मैंने एक संकल्प कर लिया है।’ शिवाजी की ओजस्वी वाणी से मावलों में एक तरंग दौड़ गई होगी और उन्होंने कहा होगा कि महाराज अपनी इच्छा प्रकट कीजिये। जैसा आप कहेंगे, हम वैसा ही करेंगे। हां, हम वैसा ही करेंगे। मावलों के इस प्रकार के उत्तर से निश्चित ही महाराज उत्साहित हुए होंगे और उन्होंने कहा होगा, तो आओ, हम सब महादेव श्री रायरेश्वर के समक्ष प्रतिज्ञा करें कि ‘हम अपना राज्य स्थापित करेंगे। अब से हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना ही हमारे जीवन का एकमात्र उद्देश्य होगा। हम सब प्रकार के कष्ट उठायेंगे, प्रत्येक परिस्थिति में हम एक-दूसरे का साथ देंगे। श्री रायरेश्वर को साक्षी मानकर हम प्रतिज्ञा करते हैं कि स्वराज्य की स्थापना के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर देंगे।’ वीर शिवाजी ने ‘हिन्दवी स्वराज्य

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सर्वभौमिक रूप से असाधारण प्रतिभा के धनी बक्ता हैं। जनता के साथ तत्काल सवाद स्थिपति करने की उनकी शैली अनृती है। वो जिस लगन के साथ बोलते हैं और जिस निष्ठा के लिए जने जाते हैं, वह पिछले आठवीं वर्षों में विश्वास-अधारित संवाद 'मन की बात' से और प्रगाढ़ हुआ है। उनके समावेशी दृष्टिकोण को देश के सभी भागों में अभूतपूर्व स्वीकृति मिली है। यह प्रधानमंत्री मोदी के विकास का लोक केंद्रित मॉडल ही है, जिसने उन्हें आप लोगों का प्रिय बना दिया है। 'मन की बात' कार्यक्रम को अक्टूबर 2014 में लॉन्च किया गया था। वर्षों से यह महीने के अंतम रविवार के लिए नियत किया गया है। यह एक रेडियो वार्ता के रूप में शुरू हुआ था; लेकिन अब इसे एक साथ विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर कई भाषाओं में प्रसारित किया जाता है। 'मन की बात' में उनके दो व्यक्तित्व के दो चेहरे उभरते हैं। एक-मजबूत, शक्तिशाली और उद्देश्यपूर्ण प्रधानमंत्री। दूसरा नम्र, दयालु और नेक पिता तुल्य अधिभावक। यदि आप आंख बंद करके 'मन की बात' सुनें, तो आप सोचेंगे कि मोदी जी गांव की चौपाल पर बैठे हैं लोगों से बातचीत कर रहे हैं। उनकी बातें सुन रहे हैं। उनसे साथ संवाद कर रहे हैं। जहां जरूरत हो वहाँ ज्ञान भरी सलाह दे रहे हैं या किसी की अनुकरणीय कार्य के लिए एकिसी की तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने दुर्घटना पीड़ितों के परिवारों के साथ अपनी बातचीत साझा की, जिन्होंने बहादुरी से अपने प्रियजनों के अंगदान करने के फैसले किये थे। मोदी ने उस बातचीत का उपयोग अंगदान के नेक विचार को बढ़ावा देने के लिए किया। ऐसे कई उदाहरण दिए जा सकते हैं, जिनमें जलवायु की विपरीत स्थितियों से निपटने से लेकर स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़े सामान्य लोगों के अच्छे कार्यों के लिए उन्हें उदार मन से बधाई देना आदि शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी की 'मन की बात' अनिवार्य रूप से वास्तविक जीवन की कहानियों और अनुभवों के बारे में है। ऐसी कहानियां, जो वास्तविक भारत को दर्शाती हैं और लुटिंग्स दिल्ली की संकीर्ण सीमाओं से परे हैं। इसी वजह से 'मन की बात' का हर एपिसोड अत्यधिक लोकप्रिय होता है और इसे लाखों प्रतिक्रियाएं मिलती हैं। यह लोगों के साथ

स्त्रियाँ और धर्म सुरक्षित
नहीं रह गया था। हिन्दू
समाज को इस अंधकार से
बाहर निकालने और उसके
मन में एक बार फिर
आत्मगौरव की भावना
जगाने का संकल्प शिवार्जि
प्रसाद ने लिया था।

महाराज न लिया था।

की संकल्पना में अपने साथियों के विश्वास को और पक्का करने के लिए कहा कि यह मेरी इच्छा नहीं है अपितु 'हिन्दवी स्वराज्य ही श्रींची इच्छा है'। अर्थात् यह हिन्दवी स्वराज्य की इच्छा ईश्वरण की इच्छा है। ओजस्वी वाणी के कंपन और शुभ संकल्प की ऊज से शिवालय का वातावरण प्रेरक हो गया था। मावलों के मन में यह बात बैठ गई कि हिन्दवी स्वराज्य का सपना किसी एक शिवाजी का नहीं है, यह हम सबका सपना है और हम ईश्वरीय कार्य के काम आनेवाले रणबाकुरे हैं।

मन की बात बड़ी सौगात



A portrait of a man with dark hair and a well-groomed beard, wearing a blue textured vest over a white collared shirt. He is looking directly at the camera with a neutral expression.

अनुराग सह ठाकुर

प्राथमिक उद्देश्य भारत के प्रधानमंत्री और देश के नागरिकों के बीच सीधा संपर्क बनाना है। हर महीने प्रधानमंत्री को देशभर से लाखों पत्र मिलते हैं, जिस पर वे कार्यक्रम के दौरान प्रकाश डालते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री का लोगों से टेलीफोन पर बातचीत करना भी कोई असामान्य बात नहीं है। निर्वाचित नेता और जनता के बीच संचार का ऐसा तरीका लोकतंत्र और शासन में लोगों के विश्वास को काफी मजबूत करता है। 'मन की बात' के आठ वर्ष के 99 एपिसोड के सफल बनाने के क्रम में, न केवल महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया गया है, बल्कि उन्हें सामाजिक और राष्ट्रीय हितों को लेकर कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया गया है। बदलाव लाने वालों की प्रेरक कहनियां इस कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं में से एक हैं। ऐसी कहनियां लाखों अन्य लोगों को भी प्रेरित करती हैं। अपनी शुरूआत से लेकर, 'मन की बात' पूरे देश में समुदायों को शामिल करने वाले सामाजिक आंदोलनों को उत्प्रेरित करने वाले जन आंदोलन के एक प्रभावी उपकरण के रूप में उभरा है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा दिये गये सामाजिक संदेश कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया ट्रैंड बन जाते हैं और कुछ ही हफ्तों में एक जन आंदोलन बन जाते हैं। 'स्वच्छ भारत अभियान', 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'कोविड टीकाकरण' और 'हर घर तिरंगा' इसके कुछ शानदार उदाहरण हैं। हाल ही में 'मन की बात' के 88वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और नागरिकों से अपने इलाके में अमृत सरोवर बनाने का आग्रह किया। कुछ महीनों के भीतर, प्रधानमंत्री का यह संदेश एक जन आंदोलन में परिवर्तित हो गया और देश भर में कई अमृत सरोवर तैयार हो गए।

इन दिनों

प्रधानमंत्री मोदी की 'मन की बात' अनिवार्य रूप से वास्तविक जीवन की कहानियों और अनुभवों के बारे में है। ऐसी कहानियाँ जो वास्तविक भारत के दर्शाती हैं और लुटियंस दिल्ली की संकीर्ण सीमाओं से परे हैं।

प्रतिष्ठानों हाथा है, बायाके पढ़ उनकी चिंताओं के बारे में है। 'मन की बात' का पहला एपिसोड तीन अक्टूबर, 2014 को प्रसारित किया हुआ था। यह 30 अप्रैल, 2023 को 100 एपिसोड पूरे करेगा। 'मन की बात' अपनी विषय वस्तु, डिजाइन, बातचीत और आम लोगों तथा समग्र रूप से समाज के साथ संवाद करने के अधिनव तरीके के मामले में अद्वितीय है। 262 रेडियो स्टेशनों और 375 से अधिक निजी और सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के साथ दुनिया के सबसे बड़े रेडियो नेटवर्क 'ऑल इंडिया रेडियो' के माध्यम से, भारतीय प्रथानमंत्री सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से विभिन्नता वाली विश्वाल आबादी तक पहुंचते हैं। वो लोगों को सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक मुद्दों पर ही नहीं बल्कि जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा संकट जैसी चुनौतीपूर्ण समस्याओं पर भी प्रेरित व सक्रिय करते हैं। भारतीय लोक प्रसारक प्रसार भारती 'मन की बात' का अनुवाद और प्रसारण 52 भाषाओं और बोलियों में करता है। इनमें 11 विदेशी भाषाएं शामिल हैं। इसका मकसद है 'मन की बात' की देश के सबसे दूरदराज क्षेत्रों से

प्रयासों की निरंतरता ही एक
दिन सफलता दिलाती है

भारतीय संस्कृति की विविधताओं के प्रति मोदी के मन में गहरा सम्पादन है इसीलिए जब वह किसी राज्य की यात्रा पर जाते हैं तो वहाँ की संस्कृति और लोकाचार में रंग जाते हैं। केरल दौरे के दौरान भी प्रधानमंत्री पारम्परिक वेशभूषा में दिखे जिसे हर किसी ने सराहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के दो दिवसीय दौरे के दौरान जहाँ राज्य की जनता को कई महत्वपूर्ण समारोहों में वहाँ जनता ने भी मोदी के स्वागत में जिस तरह पलक पांवड़े बिछाये वह दर्शाता है कि भगवान का खुद का देश कहे जाने वाले केरल में भी कमल खिल सकता है। कोच्चि और तिरुवनंथपुरम में प्रधानमंत्री के रोड शो के दौरान उनका अभिवादन करने के लिए जिस तरह भीड़ उमड़ी वह कोई राजनीतिक आयोजन नहीं बल्कि जनता की स्वतः स्फूर्त प्रतिक्रिया थी जो अपने उस प्रधानमंत्री को देखने और उनका स्वागत करने उमड़ी थी जोकि बिना किसी भेदभाव के केरल को सारी सुविधाएं दे रहे हैं। केरल में महिलाएं यदि आरती की थाली लेकर प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए खड़ी थीं तो वह दर्शाता है कि विष्णु दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता पर भले कितने आरोप लगाये लेकिन जनता जानती है कि लोकतंत्र का रखवाला और जनता की सुध लेने वाला नेता कौन है? उपयोग की गयी गाड़ी की कीमत जिज्ञापन ढूँढे केरल की जनता ने भले भाजपा की झोली बोटों से नहीं भरी लेकिन प्रधानमंत्री ने इस राज्य के प्रति अपने घ्यार में जरा भी कमी नहीं होने दी। बल्कि 2019 में लोकसभा चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री ने सबसे पहले केरल का ही दौरा किया था और भगवान श्रीकृष्ण गुरुवायरु के मंदिर

तिरुवनंपुरम में प्रधानमंत्री
के रोड शो के दौरान
उनका अभिवादन करने
के लिए जिस तरह भीड़
उमड़ी वह कोई
राजनीतिक आयोजन नहीं
बल्कि जनता की स्वतंत्रता
पार्टी प्रतिक्रिया थी।

स्फूर्ति प्राप्ताक्रिया थी।

और सेवाओं को विकसित करने के लिए एक प्रमुख शोध सुविधा के रूप में की गई है। साथ ही प्रधानमंत्री ने सेंट्रल स्टेडियम आयोजित एक समारोह विद्युतीकृत डिंडीगुल-पलानी पलवकंड खंड की आधारशिला भर रखी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री केरल में विभिन्न गिरजाघरों के शीर्ष पादरियों से मुलाकात करने के लिए जायेंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव में पहले राज्य में इस प्रभावशाली अल्पसंख्यक समुदाय से संपर्क साधने की भाजपा की कोरिशों का और आगे बढ़ाया।

लोकाचा

वाओं को विकसित कर

के लिए एक प्रमुख शोध सुविधा के रूप में की गई है। साथ ही प्रधानमंत्री ने सेंट्रल स्टेडियम आयोजित एक समारोह विद्युतीकृत डिंडीगुल-पलानी पलककड़ खंड की आधारशिला रखी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री केरल में विभिन्न गिरजाघरों वेस्ट शीर्ष पादरियों से मुलाकात करने के लिए जायेंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव तक पहले राज्य में इस प्रभावशाली अल्पसंख्यक समुदाय से संपर्क साधने की भाजपा की कांशिशों का और आगे बढ़ाया।

